प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पन्तनगर किसान मेलाः कृषि कुंभ की विशेषताएं

पन्तनगर। 7 सितम्बर 2024। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जितेन्द्र क्वात्रा ने बताया कि प्रदेश के कृषि आधारित गाँवों का चहुमुंखी विकास आज के परिपेक्ष में एक चुनौती है। मैदानी व पर्वतीय क्षेत्रों में कृषि में बहुत भिन्नता देखी जाती है। मैदानी क्षेत्रों में खाद्यान्नों की उत्पादकता राष्ट्रीय उत्पादकता से अधिक है लेकिन पर्वतीय क्षेत्र में अभी भी पारम्परिक खेती अपनायें जाने के कारण उत्पादकता का स्तर काफी कम हैं। इसके अतिरिक्त भौगोलिक क्षेत्र व जलवायु की विविधता, छोटी एवं बिखरी जोतों का बाहुल्य तथा खेती की वर्षा पर निर्भरता आदि प्रदेश की कृषि व्यवस्था हेतु विभिन्न चुनौतियां हैं। उपरोक्त परिपेक्ष में राष्ट्रीय विकास में पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्रों के सुदूर ग्रामीण अंचल के किसानों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। किसानों को वैज्ञानिक खेती के विषय में जागरूक करना तथा नई–नई विकसित तकनीकों को किसानों द्वारा उपयोग हेतु उन्हें सक्षम बनाकर कृषि विकास की धारा को आगे बढ़ाना आवश्यक है।

मेले में कृषकों हेतु उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाएंः इस मेले में खरीफ की प्रमुख फसलों जैसे धान, मक्का, अरहर, मूंग, उड़द एवं सोयाबीन आदि के वैज्ञानिक पद्धति से लगाये गये प्रदर्शनों को कृषकों हेतु प्रदर्शित किया जायेगा तथा फसल अनुसंधान केन्द्र, बीज उत्पादन केन्द्र एवं विश्वविद्यालय फार्म द्वारा उत्पादित रबी की प्रमुख फसलों–गेंहूँ, चना, मटर, जौ, मसूर, तोरिया, सरसों आदि के प्रमाणित एवं आधारीय बीज एवं सब्जी अनुसंधान केन्द्र द्वारा उत्पादित विभिन्न सब्जियों के बीज, आदर्श पुष्प उत्पादन केन्द्र द्वारा उत्पादित विभिन्न पुष्पों के बीज एवं पौध, उद्यान अनुसंधान केन्द्र द्वारा तैयार किये गये आम, लीची, अमरूद, नींबू, पपीता इत्यादि फल पौध विक्रय हेतु उपलब्ध होंगे। साथ ही विभिन्न राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त निजी कम्पनियों एवं निगमों द्वारा स्टॉल लगाकर उन्नतशील बीजों की बिक्री की जायेगी।

मेले के दौरान विभिन्न फर्मों द्वारा ट्रैक्टर, कम्बाइन हार्वेस्टर, पावर टिलर, पावर वीडर, प्लान्टर मशीन, सब–स्वायलर, सिंचाई यंत्रों एवं अन्य आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन कर उनके बारे में जानकारी दी जायेगी। मेले में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालय के वाह्य शोध केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त विभिन्न फर्मों द्वारा अपने–अपने उत्पादों एवं तकनीकों का प्रदर्शन किया जायेगा। मेले में प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता कार्यक्रम के अर्न्तगत फल–फूल, शाक–भाजी एवं उनके उत्पादों की प्रदर्शनी व प्रतियोगिता, पशु प्रदर्शनी व प्रतियोगिता, आधुनिक कृषि यंत्रों के प्रदर्शन तथा संकर बछियों की नीलामी का भी आयोजन किया जा रहा है। मेले में विभिन्न बैंको के द्वारा स्टॉल लगाकर कृषकों को कृषि योजनाओं, कृषि ऋण, फसल बीमा एवं किसान क्रेडिट कार्ड के बारे में जानकारी प्रदान की जायेगी। मेले में विशेष व्याख्यानमाला के अन्तर्गत व्याख्यान दिये जायेंगे तथा कृषकों की समस्याओं पर आधारित प्रत्येक दिन सायं 3.30 से 6.30 तक कृषक गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कृषक अपनी समस्याओं का विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से विचार–विमर्श कर जानकारी प्राप्त कर समाधान कर सकते हैं। प्रत्येक दिन कृषकों के मनोरंजन हेतु किसान मेला स्थल में सायं 7.00 से 8.30 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम छात्रों तथा परिसरवासियों की ओर से आयोजित किये जाते हैं। मेले के दौरान कृषकों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित साहित्यों के क्रय पर विशेष छूट का प्रावधान दिया गया है। मेले में कृषकों को विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों जैसे फसल अनुसंधान केन्द्र, मशरूम शोध एवं विकास केन्द्र, औषधीय एवं सगन्ध पादप अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, बीज उत्पादन केन्द्र, सब्जी अनुसंधान केन्द्र, आदर्श पुष्प अनुसंधान केन्द्र, उद्यान अनुसंधान केन्द्र, कृषि वानिकी अनुसंधान केन्द्र, मत्स्य अनुसंधान केन्द्र, विश्वविद्यालय फार्म, शैक्षणिक पोल्ट्री फार्म, शैक्षणिक डेयरी फार्म एवं बीज विधायन संयंत्र पर विश्वविद्यालय वाहनों से भ्रमण के लिए निःशुल्क व्यवस्था की गई है।

विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि की नवीनतम तकनीकों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए सदैव अभिनव प्रयास किये जा रहे हैं तथा सभी क्षेत्रों के किसानों हेतु एक उदाहरण प्रस्तुत करने का कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में उत्तराखण्ड राज्य के सुदूर क्षेत्रों में कृषकों तक अद्यतन जानकारी पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा 9 कृषि विज्ञान केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। इस निदेशालय के अन्तर्गत राज्य कृषि प्रबन्धन एवं प्रसार प्रशिक्षण संस्थान (समेटी), उत्तराखण्ड, प्रशिक्षण एवं भ्रमण इकाई, कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र, पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान प्रसार, कृषि अभियंत्रण प्रसार एवं गृह विज्ञान प्रसार इकाईयां कार्यरत हैं।

डा. जितेन्द्र क्वात्रा।

निदेशक संचार